Self Respect

06-08-2014

✓रूहानी बाप रूहानी बच्चों को समझाते हैं, पढ़ाते हैं तो बच्चों को कितना फखुर होना चाहिए ।

✓पतित-पावन तो है ही एक । सारी दुनिया को पावन बनाने वाला है ही एक । वह तुम्हारा बाप है । बच्चे जानते हैं मोस्ट बिलवेड बेहद का बाप है, जिसको भक्ति मार्ग में याद करते आये हैं कि बाबा आओ, आकर हमारे दु :ख हरो, सुख दो ।

- ✓आत्मा जानती है इस मृत्युलोक से अमरलोक में अथवा नर्क से स्वर्ग में जाने के लिए हम पढ़ते हैं । बाप आते हैं तुम बच्चों को फिर से विश्व का मालिक बनाने । तुम कितना बड़ा इम्तहान पास कर रहे हो । बड़े ते बड़ा बाप पढ़ा रहे हैं । जिस समय बाबा बैठ पढ़ाते हैं तो नशा चढ़ता है । बाबा बहुत जोर शोर से नशा चढ़ाते हैं ।

- ✓तुम बच्चे विश्व के बादशाही की बहुत बड़ी लॉटरी लेते हो । परन्तु तुम हो गुप्त । तो ऐसी ऊंच पढ़ाई पर अच्छी रीति ध्यान देना चाहिए । सिर्फ याद की यात्रा से काम नहीं चलेगा, पढ़ाई भी जरूरी है ।

- ✓तुम्हारे जितना बड़ा आदमी कोई बन न सके, तुम मनुष्य से देवता बन जाते हो । विश्व का मालिक तुम्हारे सिवाए और कोई बना है क्या? क्रिस्चियन लोगों ने कोशिश की वर्ल्ड के मालिक बनें, परन्तु लॉ नहीं कहता जो तुम्हारे सिवाए विश्व का मालिक कोई बने ।

- ✓ तुम यहाँ आये ही हो स्वर्ग की बादशाही लेने । तुमको बादशाही थी, फिर माया ने छीन ली । अब फिर माया रावण पर जीत पानी है, विश्व का मालिक तुमको ही बनना है ।

✓बाप कहते हैं देह सहित जो कुछ देखते हो उन सबको भूल जाओ । इसमें ही अटक पड़े तो ऊँच पद पा नहीं सकोगे । बाबा पुरूषार्थ तो करायेंगे ना । तुम यहाँ आये हो नर से नारायण बनने । तो इसमें योग भी पूरा चाहिए ।

✓ वो लोग विश्व में शान्ति की राय देते हैं तो पाई-पैसे का मैडल मिल जाता है । उसमें ही खुश हो जाते हैं । अभी तुमको क्या प्राइज मिलती है? तुम विश्व के मालिक बनते हो ।

- ✓ऐसे नहीं, हम 5 - 6 घण्टा याद में रहते हैं तो बस यह लक्ष्मी-नारायण बन जायेंगे । नहीं, बड़ी मेहनत करनी है । एक शिवबाबा की ही याद रहे और कुछ भी पिछाड़ी में याद न आये । तुम बहुत-बहुत बड़े देवता बन रहे हो ।

- ✓बाप ने समझाया है तुम ही पूज्य थे फिर माया ने पुजारी पतित बना दिया है ।

- ✓प्रजापिता ब्रह्मा तो यहाँ है ना । ब्रह्मा के साथ हैं ब्राह्मण सो फिर देवता बनने वाले हैं ।

- ✓यह बाप मीठे-मीठे बच्चों को समझाते हैं । बाप कहते हैं मैं परम आत्मा तुमको अपने से भी ऊंच विश्व का मालिक बनाता हूँ । तुम पढ़ रहे हो । कितनी ऊंची पढ़ाई है । मनुष्य से देवता किये करत न लागी वार । देवतायें होते हैं सतयुग में, मनुष्य होते हैं कलियुग में । तुम अभी संगम पर बैठ मनुष्य से देवता बन रहे हो । कितना सहज बताते हैं ।

- ✓दो बिल्ले लड़ते हैं, मक्खन श्रीकृष्ण खा लेते हैं । माताओं को साक्षात्कार होता है, वह समझती हैं उनके मुख में माखन है अथवा चन्द्रमा है । वास्तव में है विश्व की बादशाही मुख में । दो बिल्ले आपस में लड़ते हैं, माखन तुम देवताओं को मिल जाता है । यह है विश्व की बादशाही रूपी माखन ।

- ✓ तो बाप समझाते हैं-मीठे-मीठे बच्चों, आधाकल्प तक तुम सुखी रहते हो । कोई भी प्रकार की लड़ाई आदि का नाम नहीं रहता, यह सब पीछे शुरू हुई हैं । यह सब नहीं थे, न रहेंगे । चक्र रिपीट होता है ना । बाप सब अच्छी रीति समझाते हैं ।

- ✓तो बच्चों को बाप बैठ समझाते हैं-तुम अपने को इतना ऊंच नहीं समझते हो, जितना बाप तुमको ऊँच समझते हैं । तुम बच्चों को बहुत नशा रहना चाहिए क्योंकि तुम बहुत ऊँच कुल के हो ।

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |

✓ वरदान: तेरे मेरे की हलचल को समाप्त कर रहम की भावना इमर्ज करने वाले मर्सीफुल भव !